भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा पुदुच्चेरी में नागरिक अभिनंदन और परियोजनाओं के वर्चुअल उद्घाटन में संबोधन

पुदुच्चेरी: 07.08.2023

भारत के राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद से मुझे, पुदुच्चेरी की अपनी पहली यात्रा की उत्सुकता थी। मुझे यहां आकर बहुत आनंद का अनुभव हो रहा है। पुदुच्चेरी के लोगों द्वारा गर्मजोशी से किया गया स्वागत मुझे स्मरण रहेगा

मेरे लिए, यह बड़े आध्यात्मिक महत्व की बात है कि मेरी पहली यात्रा और श्री अरविंदो की 150वीं जयंती के समारोह के साथ हो रहा है। वह भारत के पहले राजनीतिक नेताओं में से एक थे जिन्होंने अपने बंदे मातरम समाचार पत्र में देश की पूर्ण स्वतंत्रता की आकांक्षा खुलकर व्यक्त की थी। मैं, ऐसी दिव्य आत्मा के प्रति श्रद्धा से अपना सिर झुकाकर नमन करती हूं।

देवियो और सज्जनो,

यह जानना बहुत रोचक है कि पुदुच्चेरी ने इतिहास के विभिन्न चरणों में बहुत अलग कारणों से अलग-अलग लोगों को आकर्षित किया है। लगभग 350 वर्ष पूर्व फ्रांसीसियों ने पुदुच्चेरी में अपनी व्यापारिक चौकियाँ स्थापित कीं। भारत में फ्रांसीसी भूभागों के गवर्नर-जनरल डुप्लेक्स, पुदुच्चेरी को फ्रांसीसियों के लिए एक प्रमुख गढ़ बनाना चाहते थे। फ्रांसीसियों की औपनिवेशिक आकांक्षाओं के बिल्कुल विपरीत, महर्षि अरविंदो ने 20वीं सदी में आध्यात्मिक शांति के लिए सर्वोत्तम निवास स्थान के रूप में इस स्थान को चुना। पुदुच्चेरी के हर हिस्से में पूजा स्थल देखे जा सकते हैं। आज मैं अरुलमिगु मनकुला विनयगर मंदिर और तिरुकांची मंदिर में नागरिकों के कल्याण के लिए भगवान का आशीर्वाद लेने जाऊंगी

पुदुच्चेरी का आध्यात्मिक पहलू इसे योग को बढ़ावा देने के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक बनाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव मनाने के लिए हर वर्ष यहां एक बड़ी भीड़ उमड़ती है।

देवियो और सज्जनो,

फ्रांसीसी क्षेत्र में रहने के बावजूद, पुदुच्चेरी के निवासी स्वतंत्रता संग्राम में भी सक्रिय थे। पुदुच्चेरी से महान लेखक और स्वतंत्रता सेनानी भी हुए हैं। श्रद्धेय तमिल कवि भारतीदासन का जन्म यहीं हुआ था। यह पवित्र भूमि कभी महान कवि, राष्ट्रवादी और समाज सुधारक महाकवि सुब्रमण्य भारती का निवास स्थान रहा है। उन्होंने पुदुच्चेरी में अपनी राष्ट्रवादी गतिविधियों को अंजाम दिया और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रमुख तमिल विद्वान और स्वतंत्रता सेनानी वी.वी.एस. अय्यर, भारतियार के समकालीन थे जिन्होंने पुदुच्चेरी में रहने के दौरान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी भाग लिया था।

देवियो और सज्जनो,

पुदुच्चेरी का राजनीतिक और सामाजिक भूगोल काफी असामान्य है। इस केंद्र शासित प्रदेश के चार क्षेत्रों में से पुदुच्चेरी, कराईकल और यानम बंगाल की खाड़ी पर स्थित हैं। माहे अरब सागर पर स्थित है। इसके अलावा, केंद्र शासित प्रदेश के चार क्षेत्र तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल के क्षेत्रों में स्थित हैं।

देवियो और सज्जनो,

यहां पुदुच्चेरी में, हमे विविध सांस्कृतिक धाराओं का मिश्रण देखने को मिलता है। आपने एक जीवंत सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाया है जिसमे विविधता में एकता के भारतीय लोकाचार भी मिल जाते हैं यहाँ तमिल, तेलुगु और मलयाली प्रभाव साफ दिखाई देता है और फ्रांसीसियों का प्रभाव भी वैसा ही है। वास्तुकला, त्यौहार और जीवन शैली एक साथ मिलकर विविध प्रभावों को दर्शाते हैं। पुदुच्चेरी की सांस्कृतिक जीवंतता में अधिकांश ऊर्जा तमिलनाडु में प्रचलित संगीत और नृत्य रूपों से आती है। आनंद की भावना को स्वांग या मुखौटा उत्सव में प्रदर्शित किया जाता है जो एक फ्रांसीसी परंपरा है। असल में, पुदुच्चेरी फ्रांस और भारत के बीच दोस्ती का जीवंत सेतु है।

आकार में छोटा है किन्तु यह केंद्र शासित प्रदेश बेहद खूबसूरत है। यह इस अभिव्यक्ति को प्रमाणित करता है, "छोटा सुंदर होता है"।

देवियो और सज्जनो,

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय एजेंसी द्वारा किए गए अध्ययन में, पुदुच्चेरी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सामाजिक प्रगति सूचकांक स्कोर 2022 में पहले स्थान पर है क्षेत्र ने इन अलग-अलग मापदंडों पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है:

व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद,

आश्रय,

पानी और सफ़ाई व्यवस्था।

यह प्रशंसा की बात है कि पुदुच्चेरी देश में सबसे अधिक साक्षरता दर वाले राज्यों में से एक है। यहां के लिंगानुपात में महिलाओं की संख्या ज्यादा रही है । ये तथ्य दर्शाते हैं कि पुदुच्चेरी के लोगों का महिला-पुरुष समानता में विश्वास है। ये वास्तव में प्रगतिशील मानसिकता के संकेतक हैं। मैं, विकास और प्रगति के प्रति उनके वास्तव में आधुनिक और संवेदनशील दृष्टिकोण के लिए पुदुच्चेरी के निवासियों की प्रशंसा करती हूँ

मैं, विशेष रूप से इस बात की सराहना करता हूं कि पुदुच्चेरी में उच्च शिक्षा को प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया गया है। यहां उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान हैं और विभिन्न क्षेत्रों से छात्र उच्च शिक्षा के लिए यहा आते हैं।

देवियो और सज्जनो,

मुझे जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट-ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के इस सभागार में आकर खुशी हो रही है। इस सभागार का नाम डॉ. ए.पी.जे. के नाम पर रखा गया है। अब्दुल कलाम, मेरे सबसे शानदार पूर्ववर्तियों में से एक हैं। उनके बहुत से योगदानों के अलावा, हमें चिकित्सा देखभाल के लिए रक्षा अनुसंधान का उपयोग करने के डॉ. कलाम के प्रयासों को सदा स्मरण रखना चाहिए। इस नागरिक अभिनंदन समारोह से कुछ देर पहले मैंने इस अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थान में एक नए उन्नत लीनियर एक्सीलेटर का उद्घाटन किया है। मुझे बताया गया है कि इसका उपयोग कैंसर रोगियों को रेडियो-थेरेपी उपचार प्रदान करने के लिए किया जाएगा। यह उपकरण विकिरण के सटीक लक्ष्यीकरण के माध्यम से विकिरण जोखिम को कम करेगा। मैं, समझती हूं कि यह मशीन उपचारात्मक विकिरण देखभाल प्रदान करने के लिए

संस्थान की क्षमता में वृद्धि करेगी और इससे किफायती उन्नत चिकित्सा देखभाल को बढ़ावा मिलेगा

मुझे राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत विल्लियानूर में अस्पताल का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है। यह अस्पताल किफायती चिकित्सा देखभाल प्रदान करेगा। मुझे बताया गया है कि अस्पताल वैकल्पिक चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियों के तहत चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। मुझे यकीन है कि अस्पताल से समग्र कल्याण को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं मिलेंगी

देवियो और सज्जनो,

पुदुच्चेरी आध्यात्मिक पर्यटन के लिए एक अद्भुत स्थान है। आध्यात्मिक पर्यटन तेजी से एक वैश्विक चलन बनता जा रहा है। इसमें इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की क्षमता है। केंद्र सरकार ने 'स्वदेश दर्शन योजना' के तहत पुदुच्चेरी में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं। पर्यटन बढ़ने से स्वास्थ्य पर्यटन और इको-पर्यटन से जुड़ी गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

अंत में, मैं, यही कहना चाहूंगी कि इस अनूठे और विशेष केंद्र शासित प्रदेश पुदुच्चेरी ने राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। मुझे विश्वास है कि पुदुच्चेरी के लोग इस केंद्र शासित प्रदेश को विकास और उत्कृष्टता के और ऊंचे आयामों पर ले जाएंगे। मैं, पुदुच्चेरी के सभी निवासियों के उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की कामना करती हूं।

धन्यवाद!
जय हिन्द!
जय भारत।